>

Title: Need to completely walve off loans taken by farmers and also provide relief to the families of farmers who have committed suicide due to indebtness in Maharashta.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने किसानों के लिए जिस कर्ज माफी की घोषणा की है, उसकी वास्तविकता कुछ अलग है। इसकी जानकारी किसानों से बात करने के बाद मिलती है। मैं माननीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने हमारी मांग को मानते हुए किसानों की कर्ज माफी की। हमारी मांग उन्होंने मानी है। यह मांग मांगने के लिए हमने नागपुर, सहगांव, पुणे और धुलिया में हमारे शिव सेना के अध्यक्ष श्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में लाखों किसानों के समुदाय ने जन आंदोलन किया था परंतु पूर्ण कर्ज माफी की मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है क्योंकि महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में पचास प्रतिशत और विदर्भ में तीस प्रतिशत किसानों को ही इस ऋण माफी का फायदा मिल पाएगा। साथ ही साथ जो किसान अपनी ऋण की किश्तें समय पर चुकाते आ रहे हैं, जिनकी पांच एकड़ की खेती हो रही है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : What is your demand?

श्री चंद्रकांत खैरे : सर, मुझे बोलने दीजिए। जिन किसानों ने अपने ऋण की किश्तें हमेशा बैंकों में या जिन भी संस्थाओं में समय पर चुकायी हैं, उनको कोई फायदा नहीं होने वाला है और जिन्होंने नहीं दिया, उनको लाभ मिला है। इसलिए वे लोग बोल रहे हैं कि क्या हम लोगों ने किश्तों की रेगुलर पेमेंट करके कोई गलती की है? इसलिए उनके बारे में भी इस संबंध में विचार किया जाना चाहिए। ऐसा मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से विनती करता हूं। इसलिए हमने कल माननीय उद्धव ठाकरे जी के नेतृत्व में पांच सांसद मैं, हमारे अडसुल जी, गुढ़े जी, यादव जी और संजय जी जो राज्य सभा के सांसद हैं, उनके साथ मराठवाड़ा, विदर्भ का दौरा किया और दौरा करने के बाद प्रत्यक्ष रूप से हम किसानों से भी मिले। हम किसानों की भावना, उनकी प्रतिक्रिया आपके सामने रख रहे हैं कि जो कर्ज माफी किसानों के लिए की है, उसका फायदा उन्हें नहीं हो रहा है।[r77]

उपाध्यक्ष महोदय, महाराष्ट्र में 5500 किसानों ने आत्महत्यायें की हैं और पूरे देश में डेढ़ लाख किसानों ने आत्महत्यायें की हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण में इसे नहीं बताया गया है। उन लोगों के लिये कुछ मदद होनी चाहिये थी। साहूकारों ने जो कर्ज किसानों को दिया, उसके लिये भी कुछ नहीं कहा गया है। हमारे कृषि मंत्री जी ने कहा है कि महाराष्ट्र में जिन साहूकारों का बकाया है, वह किसानों ने नहीं देना है लेकिन किसानों का अंगूठा लेकर जो कर्ज दिया गया है, उसका क्या होगा? इसके लिये कोई कठोर एक्शन होना चाहिये। उन किसानों की पूरे कर्ज की माफी होनी चाहिये तभी किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं का सिलसिला रुकेगा। इस बजट से तभी फायदा होगा जब किसानों का पूरा कर्ज माफ होगा। यह हमारी पार्टी शिवसेना की ओर से यह मांग है।

उपाध्यक्ष महोदय : स्पेशल मैंशन में इतना लम्बा मैटर नहीं होता है।